माँ की अलमारी

माँ दिखलाओ, अपनी अलमारी,
देखें कितनी हैं, उसमें साड़ी!

माँ बोली– है भरा खज़ाना,
गिनकर तुम मुझको बतलाना।

साड़ियों का भरा भंडार,
एक, दो, तीन, चार।

पाँच, छह, सात, आठ,
उस गठरी की भी खोलो गाँठ!

खोली गठरी मिल गई साड़ी,
गिन ली उनमें से भी सारी!

नौ, दस और अब बस,
बस, बस! ये हैं कुल दस।

हँसकर तब बोली माँ प्यारी,
छान ली अम्मा की अलमारी!

विद्ययाऽमृतमश्नुते
प्रारंभिक शिक्षा विभाग
Department of Elementary Education
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
एन सी ई आर टी
NCERT

संकल्पना — सुनीति सनवाल
रचनाकार — अंजली
चित्रांकन — सान्या जैन

21165
₹ 30.00
CC-BY-NC-SA

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित तथा एजुकेशनल स्टोर्स, एस–5, बुलंदशहर रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, साइट–I (नज़दीक आर.टी.ओ. ऑफिस) गाज़ियाबाद (उ.प्र.) द्वारा मुद्रित।